NEW ERA PUBLIC SCHOOL RAJBAGH
SOLVED ASSIGNMENT OF TERM II
CLASS: 8th SESSION 2021
SUBJECT: HINDI Pg no 1.

पाठ-16
बाज और साँप

कठिन शब्दों के अर्थ:
एकाएक = अचानक, जख्म = चोट, दरार = दीवार, सिटपिटाना = दब जाना, व्याकुल = बेचैन, आकर्षण = खिंचाव, खजाना = धन, बुते = हिम्मत, दुर्गंध = बदबू, गुण गाना = प्रशंसा करना, दिल काँपना = डर जाना, प्राणों को हथेली पर रखना = मरने को तैयार रहना।

प्रश्नों के उत्तर:
1. घायल होने के बाद भी बाज ने यह पंक्ति इस लिए कही, "मुझे कोई शिकायत नहीं है" क्योंकि उसने अपने जीवन-काल में लगभग सभी सुखों को भोग लिया था। जीवन का शायद ही कोई ऐसा सुख बचा हो जो उसने ने भोगा हो। मीलों दूर तक कभी न समाप्त होने वाले नील गगन में परिक्रमा की। हर उस स्थान और वस्तु का भोग किया, जिसे उसके मन ने चाहा। सारा जीवन मौज, मस्ती और उल्लास में व्यतीत हुआ है।

2. बाज़ जिंदगी भर आकाश में उड़ता रहा लेकिन घायल होने के बाद भी वह उड़ना इसलिए चाहता था क्योंकि वह कमज़ोर और लाचार के समान जीवन नहीं जीना चाहता था। इसलिए वह अपनी कर्म भूमि में उड़ जाना चाहता था। जहाँ उसे किसी प्रकार की कोई रोक-टोक न हो। उसे प्रत्येक स्थान पर जाने की पूरी स्वतंत्रता हो।

3. साँप उड़ने की इच्छा को मूर्खतापूण मानता था क्योंकि वह सोचता था कि- उड़ने और रेंगने के बीच कोई विशेष अंतर नहीं है। अंत में सबके भाग्य में मरना ही है। लेकिन फिर साँप ने उड़ने की कोशिश की क्योंकि उसके मन में ईर्ष्या उत्पन्न हो चुकी थी। दिल के किसी एक कोने में नील गगन में छिपे आनंद को भोगने का लालच छिपा हुआ था, इसी कारण साँप एक बार आकाश में उड़ना चाहता था।

4. बाज एक साहसी और वीर पक्षी था। उसने अपने देश के लिए त्याग और बलिदान का कार्य किया था। इस सबसे ऊपर उसने घायल अवस्था में भी अपनी हिम्मत नहीं हारी थी। वह हर स्थिति का सामना करना चाहता था। शायद इसीलिए बाज की मृत्यु पर चट्टानों पर लहरें टकरा-टकरा एक ऐसी ध्वनियाँ

उत्पन्न कर रही थीं मानो वे उसके लिए आँसू बहा रही हों। लहरों ने - अपनी जान हथेली पर रखकर चलने वाले बाज की वीरता और शौर्य को देखकर ही गीत गाए थे।

5. घायल बाज को देखकर साँप इसलिए खुश हुआ क्योंकि अब उसे बाज से कोई खतरा या असुरक्षा नहीं थी। अब उसे बाज पर हँसने और उस पर ताने मारने का अवसर मिल चुका था। खुश होने का सबसे बड़ा कारण यह भी था कि पहले बाज आकाश में उड़ते हुए नीचे धरती पर रेंगने वाले साँप आदि जीवों को अपनी चोंच में उठाकर उन्हें मारकर खा जाता था लेकिन आज बाज धरती पर पड़ा धूल चाट रहा था।

2) कहानी में से अपनी पसंद के पाँच मुहावरे चुनकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए:

1. आँखों से ओझल होना - गायब होना।
रिमा को खरी-खोटी सुनाकर गीता उसकी आँखों से ओझल हो गई।

2. डींगे मारना - गप्प मारना।
दीपक तो बड़ी-बड़ी डींगे मारता है।

3. गुण गान - प्रशंसा करना।
रमा के परीक्षा में प्रथम आने पर सब उसका गुण गान करने लगे।

Scanned with CamScanner

4. सिर धुनना - पछताना।
अब सिर धुनने से कुछ नहीं होगा।

5. जान हथेली पर रखना - मरने की बिल्कुल परवाह न करना।
रणक्षेत्र में भारत के वीर सदा जान हथेली पर रखकर लड़ते हैं।

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :
1. पर्वत की अँधेरी घाटियों में एक नदी भी बहती थी।
2. डर से साँप अपने कोने में सिकुड़ गया।
3. खुले आकाश को देखकर उसकी आँखें चमक उठीं।
4. अपनी खोखल से बड़ा सुख और कहीं नहीं है।
5. तुमने अपना जीवन बलिदान कर दिया किंतु फिर भी तुम अमर हो।

Scanned with CamScanner

पाठ - 17

टोपी

कठिन शब्दों के अर्थ :-

फबता = अच्छा लगना, तपाक = झट से, मानुस = मनुष्य, जाड़ा = सर्दी = सकत = ताकत, मित = प्रतिदिन, लिबास = कपड़ा, बरधा = बैल, फोकट = मुफ्त, फिकर = चिंता, मत = नहीं, अपन = अपना, फकत = केवल, हुनरमंद = कुशल, पाखी = पक्षी, लशकरी = सेना, नगीना = सुंदर, खोंते = घोंसले, लटंजीरा = चिथड़ा, टहलुआ = नौकर, नफ़ासत = सजा - सँवरा, अकबकाना = घबराना।

प्रश्नों के उत्तर :

1. गवरइया और गवरा के बीच 'कपड़े' को लेकर बहस हुई। दोनों कपड़े के विषय में अपने - अपने तर्क दे रहे थे। गवरा कपड़ों को अनुचित मानता था। उसके अनुसार कपड़ों ने मानव को आलसी और आराम परस्त बना दिया है। एक दिन गवरा, गवराइया दोनों घूरे पर दाना चुगने के लिए चल दिए। वहाँ दाना चुगते - चुगते गवरइया को रूई का एक फाहा मिला, जो अंतत: गवरइया की इच्छा को पूरा करने का कारण बना।

3. टोपी बनवाने के लिए गवरइया सर्वप्रथम रूई का फाहा लेकर धुनिया के पास पहुँची उसने उससे बड़ी विनम्रता से रूई धुनने को कहा। गवरइया द्वारा

आधा बाँटने के आश्वासन पर धुनिया ने रुई धुन दी। इसके बाद गवरइया रुई लेकर एक कोरी के पास गई। उसने यहाँ आधे-आधे की पेशकश की और कोरी ने रुई से सूत बना दिया। इसके बाद गवरइया सूत लेकर बुनकर के पास पहुँची। बुनकर ने भी कपड़े को आधा-आधा बाँट लेने की बात कही तब बुनकर तैयार हो गया। कुछ ही समय में एक सुंदर सा कपड़ा तैयार हो गया। इसके बाद गवरइया एक दर्जी के पास पहुँची। दर्जी ने दो टोपी में से एक टोपी उसे देने के लिए कही। इस प्रकार का आश्वासन पाकर दर्जी ने जल्दी ही सुंदर टोपियाँ बना दी। दर्जी ने अपनी ओर से एक टोपी पर पाँच फुँदे लग दिए।

4. दर्जी राजा की सातवीं रानी की दसवीं संतान के लिए झब्बे सिल रहा था। राजा की ओर से इसका उसे कोई मेहनताना भी नहीं मिलता था। इस प्रकार से वह बेगारी कर रहा था। दूसरी और गवरइया ने दर्जी को आधा कपड़ा देकर उसे मुँहमाँगी मज़दूरी दे दी। मुँहमाँगी मज़दूरी पाकर दर्जी बहुत खुश था। इसी खुशी में उसने टोपी पर पाँच फुँदे लगा दिए।

2) मुहावरे :

1. ओझल हो जाना - गायब हो जाना।
राजा को देखते ही पहरेदार आँखों से ओझल

हो गया।

2. आँखों में चमक आना - मन की खुशी प्रकट होना।
लाटरी से निकलते ही प्रभा की आँखों मे चमक आ गई।

3. माथे का पसीना पोंछना - घबराहट दिखाई देना।
अपना परीक्षा परिणाम देखते ही ~~अ~~ माथे पर पसीना आ गया।

4. ठंडी आह भरना - पछताना।
आवारा पुत्र को घर से निकालने के बाद पिता ठंडी आह भर कर रह गया।

5. लग्गुए-भग्गुए होना - साथ रह कर लाभ उठाने वाले।
आपको इन लग्गुए-भग्गुए लोगो से संभल कर रहना चाहिए, कहीं बाद में पछताना न पड़े।

6. लफड़ा होना - मुसीबत होना।
दूसरों के लफड़ो से बच कर रहा करो।

7. मुँह फट होना - बिना सोचे समझे बोलना।
मुँह फट व्यक्ति किसी को पसंद नहीं आता।

3, रिक्त स्थान भरें।

1. कपड़े पहन लेने के बाद आदमी की कुदरती खुबसूरती ढंक जो जाती है।

2. किसी घुड़सवार के हाथ से छूटकर गिर गया होगा।

3. थोड़ी देर में उसने काफ़ी नफ़ासत और दबीज कपड़ा बुन दिया।

4. जिसके पास बहुत कुछ है, वह कुछ भी नहीं देता।

5. मंत्री ने हौले से कहा, यह मुँहफट तो महाराज को बेपरदा ही करके दम लेगी।

— ० —

पाठ -18.
सूरदास के पद

कठिन शब्दों के अर्थ :-
पियत = पीना, कबहिं = कब, अजहूँ = अब भी, बल = बलराम, बेनी = चोटी, काढ़त = खोलते हुए, गुहत = चोटी बनाते हुए, भुइँ = धरती, लाल = बेटा, दुपहर = दोपहर, कछु = कुछ, पूत = बेटा, जायौ = पैदा करना।

प्रश्नों के उत्तर :

1. बालक श्रीकृष्ण अपनी चोटी को बढ़ाने के लालच में दूध पीने को तैयार हो गए थे। माता यशोदा बाल कृष्ण से यही कहती थी कि जितना अधिक तुम दूध पियोगे उतनी ही तुम्हारी चोटी लंबी होगी। यह बाँधते और गुहते समय अत्यंत घनी लगेगी। इसकी लटाएँ लंबी हो जाएंगी। इसी लोभ के कारण श्रीकृष्ण दूध पीने को तैयार हो जाते हैं।

2. श्रीकृष्ण अपनी चोटी के विषय में यह सोचते थे कि न जाने क्यों उनकी चोटी छोटी ही है। वे दिन में कई बार दूध पीते हैं तब भी यह छोटी है।

Scanned with CamScanner

बड़े भैया बलराम की चोटी की तरह मेरी चोटी न जाने कब बढ़ेगी। माँ भी यही कहती है कि जल्दी ही मेरी छोटी बलराम भैया की चोटी की भाँति मोटी, घनी और लंबी हो जाएगी।

3. दूध की तुलना में श्रीकृष्ण को अधिक पसंद करते थे। माँ दूध पीना के लिए कृष्ण को बार-बार कहती थी, लेकिन कृष्ण का मन माखन खाने में लगा रहता था। माखन खाना उन्हें इतना पसंद था कि वे इसके लिए चोरी करने से भी पीछे नहीं हटते थे।

5. मक्खन चुराते और खाते समय श्रीकृष्ण थोड़ा-सा मक्खन बिखरा इसलिए देते थे, ताकि किसी को ये न पता चले कि ये माखन कृष्ण ने खाया है। लोग ये सोचने लगें कि इस तरह छिटका धर मक्खन किसी पक्षी या किसी पशु ने खाया होगा।

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

1. कितनी बार मोहिं दूध पियत भई।
2. तू जो कहति बल की बेनी ज्यौं।
3. तेरैं लाल मेरौ माखन खायौ।
4. दुपहर दिवस जानि घर सूनो।
5. दिन प्रति हानि होति गोरस की।

—o—

पाठ - 19.
जम्मू - कश्मीर में हिंदी

कठिन शब्दों के अर्थ.
अभिप्राय = तात्पर्य, अतिरिक्त = अलावा, आदान - प्रदान = लेना - देना, आगमन = आना, आकर्षण = खिंचाव प्रवास = यात्रा, असंगत = गलत, पर्यटकों = सैलानियों, समीपता = निकटता, उत्तराधिकारी = वारिस, प्रशंसनीय = प्रशंसा के योग्य, ~~स~~ द्रुतगति = तेज चाल।

प्रश्नों के उत्तर

1. जम्मू में डोगरी, कश्मीर में कश्मीरी, उर्दू और लद्दाख में लद्दाखी भाषा बोली जाती है।

2. प्राचीनकाल में जम्मू - कश्मीर में हिंदी का प्रचार सूर, तुलसी आदि भक्त कवियों के कारण हुआ। इनके कई पद बहुत लोकप्रिय हुए, जिससे हिंदी ने जड़ पकड़ ली।

3. हिंदी भाषा का संबंध भोरपीय परिवार की एक शाखा से है जो भारतीय आर्य शाखा के नाम से जानी जाती है।

4. कश्मीर के भक्त आंदोलन ने पूरे भारत को प्रभावित किया था। जम्मू - कश्मीर पर इसका प्रभाव पड़ना स्वाभाविक था। इसी कारण जम्मू - कश्मीर के कवियों ने हिंदी में कविताएँ लिखी।

5. जम्मू के प्रथम हिंदी कवि का नाम देवादत्त भड़वाल था।

Scanned with CamScanner

5. [illegible]
थे दत्त (दत्तु) के नाम से प्रसिद्ध हुए।

6. वीरविलास ग्रंथ के रचयिता कवि दत्त (दत्तु) था।

7. महाराजा हरि सिंह के समय में हिंदी को सरकारी संरक्षण प्राप्त हुआ।

8. जम्मू-कश्मीर की सरकारी भाषा उर्दू है। परंतु कुछ कार्यालयों में हिंदी में भी काम होने लगा है।

9. भारत के बहुसंख्यक लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। यह संपर्क भाषा के रूप में भी विकसित हो चुकी है। इसी कारण हिंदी हमारे देश की राष्ट्र भाषा बन गई है।

10. आजकल जम्मू-कश्मीर में सिनेमा, दूरदर्शन, रेडियो आदि के द्वारा हिंदी का प्रचार-प्रसार हो रहा है। पत्र-पत्रिकाएँ तथा साहित्यिक संस्थाएँ भी इसमें योगदान दे रही हैं।

Scanned with CamScanner

रिक्त स्थान भरें :

1. प्राय : सभी लोग हिंदी समझ - बोल सकते हैं।
2. महाराजा रणवीर सिंह के समय हिंदी को सरकारी संरक्षण मिला।
3. इसी काल में जम्मू में संस्कृत पाठशाला की स्थापना की गई।
4. अब लद्दाख में भी हिंदी का प्रचार - प्रसार बढ़ रहा है।
5. कुल मिला कर जम्मू - कश्मीर में हिंदी का भविष्य उज्जवल है।

—०—

पाठ २०

सुदामा चरित

1. सुदामा की दीन दशा देखकर कृष्ण को अत्यंत दुःख हुआ। वह अपने परम मित्र की दशा को देख कर अत्यंत व्याकुल हो उठे। कृष्ण जो दया के सागर हैं वह अपने मित्र के लिए फूट-फूट कर रोने लगे। उन्होंने सुदामा के पैरों को धोने के लिए न तो परात उठाई और न ही पानी सुदामा के पैरों पर डाल कर उन्हें धोया बल्कि उन्हें अपने आँसुओं से धोया।

2. द्वारिका से खाली हाथ लौटते समय सुदामा मार्ग में सोचते जा रहे थे कि वह अपने जिस दुःख दर्द को मिटाने के लिए श्री कृष्ण के पास

गए थे उसे तो वह उनसे कह नहीं सके। उनके अभाव तो पहले जैसे ही रह गए। श्री कृष्णा ने उनकी सेवा तो बहुत की, प्यार से रखा परंतु उसकी गरीबी को दूर करने के लिए कुछ नहीं किया।।.

5. सुदामा का हृदय में भाव आए थे कि वह गलती से कहीं और पहुँच गया है। उसकी झोपड़ी तो टूटी-फूटी थी परंतु अब वहाँ बड़े-बड़े महल थे। वह पहले ही दुखी था और अब वह अपना गाँव भी खो बैठा था।

रिक्त स्थान भरें :

1. सुदामा चरित के कवि नरोत्तमदास है।

2. सीस पगा न झगा तन में।

3. करुणा करिके करुनानिधि रोए।

4. वह पुलकनि वह उठि मिलनि।

5. कै जुरतो नहिं कोदो सवाँ।

— o —

(हिंदी व्याकरण)

1. निबंध :

रक्षा बन्धन
समाचार-पत्र के लाभ
विज्ञान वरदान या अभिशाप
दहेज प्रथा
मेरे जीवन का लक्ष्य

2. पत्र :

→ अपने पिताजी को विद्यालय के वार्षिकोत्सव का वर्णन करते हुए पत्र लिखें।
→ पुस्तकें मंगवाने के लिए पुस्तक विक्रेता को पत्र लिखें।
→ प्रधानाचार्य को चरित्र प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए प्रार्थना-पत्र लिखें।
→ अपने मुख्याध्यापक को छात्रवृत्ति के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।

3. विलोम शब्द लिखें।
4. पर्यायवाची
5. मुहावरे
6. वचन
7. लिंग
8. संज्ञा, विशेषण, सर्वनाम की परिभाषा

Scanned with CamScanner